Department of Higher Education, Govt. of M.P.
Semester wise syllabus for Postgraduates
As recommended by Central board of Studies and Approved by HE the Governor of M.P.

एम.ए. हिन्दी प्रथम सेमेस्टर सत्र 2019–21

प्रश्न पत्र– प्रथम
हिन्दी साहित्य
प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य तथा उनका इतिहास

पूर्णांक – 50

पाठ्य विषय :–

इकाई – 1 व्याख्यांश – 3X7=21

1. विधापति – 20 पद (विधापति, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
   पद क्रमांक – 1,4,5,7,8,11,12,14,15,16,20,22,23,26,27,28,31,35,36,39.
2. कबीर – कबीर ग्रंथावली – डॉ0 श्यामसुंदर दास
   गुरूदेव को अंग (साखी क्रमांक 1 से 10), सुमिरण को अंग (साखी क्रमांक 1 से 10), विरह को अंग (साखी क्रमांक 1 से 10), ज्ञान– विरह को अंग (साखी क्रमांक 1 से 10), परचा को अंग (साखी क्रमांक 1 से 10).
3. जायसी – पदमावत, संपादक – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
   पद क्रमांक :– 1,11,16,21,24,50,60,65,69,70, (दस पद)
   (मानसरोदक खण्ड एवं नागमती वियोग खण्ड)

इकाई – 2

विधापति, कबीर, और जायसी से संबंध आलोचनात्मक प्रश्न। 1X8=8

इकाई – 3

प्राचीनकाल एवं मध्यकालीन काव्य (निर्गुणधारा) का इतिहास प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं रचनाकारों से संबंधित प्रश्न। 1X6=6

इकाई – 4 द्रुतपाठ के कवि – चन्दबरदाई, अमीर खुसरो, रैदास, नामदेव से संबंधित लघुउत्तरीय प्रश्न । 2X5=10

इकाई – 5 वस्तुनिष्ठ प्रश्न (संपूर्ण पाठ्यक्रम से) 1X5=5

निशा

समन्वयक
भाषा अध्ययन केन्द्र
जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालि

2019-21

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर
प्रश्न पत्र – प्रथम
हिन्दी साहित्य
प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य तथा उनका इतिहास

पूर्णांक 60+40 =100

पाठ्य विषय :–

इकाई – 1 व्याख्यांश

1. विद्यापति –20 पद (विद्यापति जयभारती प्रकाशन इलाहाबाद)
   पद क्रमांक – 1,4,5,7,8,11,12,14,15,16,20,22,23,26,27,28,31,35,36,39

2. कबीर – कबीर ग्रंथावली – डॉ. श्यामसुन्दर दास
   गुरुदेव को अंग (साखी क्रमांक 1 से 10) सुमुरिण को अंग ज्ञान (1से 10) विरह क्रमांक 1 से 10)
   विरह अंग (साखी क्रमांक 1 से 10) परचा को अंग(साखी कमांक 1 से 10),

3. जायसी – पदमावत, संपादक – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
   पद कमांक :– 1,11,16,21,25 (पॉच पद)
   (मानसरोदक खण्ड एवं नागमती वियोग खण्ड)

इकाई –2 विद्यापति, कबीर और जायसी से संबंध आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई –3 प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य (निगुर्णधारा) का इतिहास प्रमुख प्रवृत्तियॉ एवं रचनाकारो से संबंधित प्रश्न।

इकाई –4 दुतपाठ के कवि चन्दबरदाई, अमीर खुसरो, रैदास नामदेव से संबंधित लघुउत्तरीय प्रश्न ।

इकाई –5 वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)

सेमीनार

C.C.E.

मौखिक

समन्वयक
भाषा अध्ययन केन्द्र
जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर

2019-21

एम.ए. प्रथम
प्रश्न पत्र – द्वितीय
(हिन्दी) पूर्वार्द्ध
आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास

पूर्णांक 60+40=100

इकाई –1 व्याख्यांश

1– स्कन्दगुप्त – जयशंकर प्रसाद
2– आधे– अधूरे– मोहन राकेश
3– गोदान – प्रेमचन्द

इकाई –2

स्कंदगुप्त, आधे – अधूरे एवं गोदान में समीक्षात्मक प्रश्न

इकाई –3

हिन्दी नाटक , रंगमंच एवं उपन्यास के इतिहास की विविध प्रवृत्तियॉ रचनाकारो पर निबंधात्मक प्रश्न।

इकाई –4

लघुउत्तरीय प्रश्न – दुतपाठ में निर्धारित गद्यकारों से सम्बद्ध दो लघुउत्तरीय प्रश्न होगें।
1– नाटककार – भारतेन्दु हरीशचन्द्र डॉ. रामकुमार वर्मा जगदीशचन्द्र माथुर, धर्मवीर भारती, लक्ष्मीनारयण लाल।
2– उपन्यासकार – जैनेन्द्र, अमृतलाल नागर, निर्मल वर्मा, भीष्म शाहनी मन्नू भण्डारी

इकाई – 5

वस्तुनिष्ठ प्रश्न– (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से सम्बद्ध)

सेमीनार
C.C.E.
मौखिक

२०१७-२१

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर
प्रश्न पत्र – तृतीय
(हिन्दी)
भारतीयं एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

पूर्णांक 60+40 =100

इकाई –1

संस्कृत काव्य शास्त्र : काव्य लक्षण , काव्य– हेतु, काव्य– प्रयोजन काव्य के प्रकार।
रस– सिद्धांत : रस का स्वरुप ,रस – निष्पात्ति , रस के अंग साधरणीकरण, सहृदय की आवधरणा।
अलंकार सिद्धांत : मूल स्थापनाएं, अलंकारो का वर्गीकरण ।

इकाई –2

रीति सिद्वांत : रीति की अवधारणा, काव्य– गुण , रीति एवं शैली, रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थपनाऍ
वकोक्ति सिद्धांत : वकोक्ति की अवधारणा वकोक्ति के भेद, वकोक्ति एवं अभिव्यंजनवाद।

इकाई –3

ध्वनि सिद्धांत : ध्वनि का स्वरुप ध्वनि – सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद गुणी भूत–व्यंग्य, चित्रकाव्य।
औचित्य सिद्धांत : प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद।

इकाई –4

हिन्दी कवि – आचार्यो का काव्य शास्त्रीय चिंतन : लक्षण–काव्य परंपरा एवं कवि शिक्षा

इकाई– 5

हिन्दी अलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियॉ : शास्त्रीय व्यक्तिवादी / सौष्ठव वादी, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, मनोविश्लेषणवादी, सौन्दर्यशास्त्रीय शैलीवैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय

सेमीनार

C.C.E.

मौखिक

२०१७-२१

एम.ए. प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर
प्रश्न पत्र – प्रथम
भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

अंक विभाजन

पूर्णांक 60+40 =100

1. अलोचनात्मक प्रश्न
2. लघुउत्तरीय प्रश्न
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न(सम्पूर्ण पाठ्यकम)

सेमीनार

C.C.E.

मौखिक

2019-21

एम.ए. हिन्दी
वैकल्पिक – साहित्यक वर्ग – विशेष अध्ययन – सूरदास
सेमेस्टर – प्रथम
प्रश्न पत्र चतुर्थ
सूरदास

ग्रंथ सूरसागर संपादक – डॉ. धीरेन्द्र वर्मा

निर्धारित पद (प्रारंभ से मथुरागमन के पूर्व तक) अलोचनात्मक प्रश्न सूर, साहित्य का पृष्ठ भूमि जीवन, रचनाएँ तथ निर्धारित अंश से सम्बद्ध पूछे जाएँगे।

अंक विभाजन

3 व्याख्याएँ

2 अलोचनात्मक प्र’’न

2 लघुउत्तरीय प्रश्न

वस्तुनिष्ठ प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यविषय

सेमीनार

C.C.E.

मौखिक

A

2019-21

Class / कक्षा : एम.ए.

Subject / विषय : हिन्दी

Semester / सेमेस्टर : प्रथम

Title Subject Group / विषय समूह का शीर्षक : कथाकार प्रेमचन्द्र

Paper No.& Title / प्रश्न पत्र कमांक एवं शीर्षक : चतुर्थ

Compulsory /अनिवार्य या Opitonal वैकल्पिक : **Optional/ वैकल्पिक**

सेमेस्टर चतुर्थ	
इकाई – 1	गोदान, उपन्यास कहानी बूढी काकी, बड़े भाई साहब, शंतरंज के खिलाडी
इकाई – 2	प्रेमचन्द्र युगीन परिवेश
इकाई – 3	हिन्दी उपन्यास परम्परा और प्रेमचन्द्र
इकाई – 4	हिन्दी कहानी उद्भव , विकास और प्रेमचन्द्र
इकाई – 5	दुतपाठ विश्वम्मभर नाथ शर्मा "कौशिक' वेचन, शर्मा उग्र, भगवती प्रसाद वाजपेयी ,वृदांनलाल वर्मा

सेमीनार

C.C.E.

20/9-21

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर
प्रश्न पत्र – प्रथम
हिन्दी साहित्य
प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य तथा उनका इतिहास

पूर्णांक 60+40 =100

इकाई – 1 व्याख्यांश

सूरदास :– भ्रमरगीत सार – संपादक रामचन्द्र शुक्ल पद क्रमांक 51 से 100
तुलसीदास – रामचरितमानस – अयोध्या काण्ड, दोहा क्रमांक 51 से 100
बिहारी – बिहारी रत्नाकार – संपादक जगन्नाथ रत्नाकर दोहा क्रमांक 1 से 50

इकाई – 2

सूरदास, तुलसीदास एवं बिहारी से संबंधित निबंधात्मक प्रश्न।

इकाई –3

भक्तिकाल(सगुण भक्तिधारा) एवं रीतिकाल का इतिहास, प्रवृत्तियॉ और प्रमुख रचनाकारों से संबंधित निबंधात्मक प्रश्न।

इकाई –4

द्रुतपाठ के कवि – नन्ददास, मीराबाई, घनानंद और केशव से संबंधित लघुउत्तरीय प्रश्न।

इकाई – 5

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (संम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)

सेमीनार
C.C.E.
मौखिक

2019-21

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर
प्रश्न पत्र – द्वितीय
(हिन्दी) पूर्वार्द्ध
आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास

पूर्णांक 60+40 =100

इकाई –1 व्याख्यांश

1– वाणभट्ट की आत्मकथा – हजारीप्रसाद द्विवेदी

अथवा

पथ के साथी– महादेवी वर्मा

2– निबंध –1. देश सेवा का महत्व– बालकृष्ण भट्ट
2. म्युनिसीपलेटी के कारनामें– महावीर प्रसाद द्विवेदी
3. काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
4. अशोक के फूल हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. मेरे राम का मुकुट भीग रहा है – विद्यानिवास मिश्र
6. प्रिया नीलकंटी – कुबेरनाथ राय
7. पगडण्डियों का जमाना – हरिशंकर परसाई

3– निर्धारित कहानियॉ–
1. उसने कहा था (चन्द्रधर शर्मा गुलेरी)
2. पूस की रात (प्रेमचन्द्र)
3. गुण्डा (जयशंकर प्रसाद)
4. अपना अपना भाग्य (जैनेन्द्र)
5. लंदन की एक रात (निर्मल वर्मा)
6. राजा निरबंसिया (कमलेश्वर)
7. सिक्का बदल गया (कृष्णा सोबती)

इकाई –2

बाणभट्ट की आत्मकथा , निर्धारित निबंध कहानी एवं पंथ, के साथी से समीक्षात्मक प्रश्न।

इकाई –3

कहानी निबंध एवं अन्य गद्य विधाओं (रेखाचित्र, स्मरण आत्मकथा, जीवनी, वृत्तांत व्यय आदि) के इतिहास प्रवृत्तियॉ और प्रमुख रचनाकारो से सम्बद्ध निबंधात्मक प्रश्न

इकाई–4 लघुउत्तरीय प्रश्न .

दुतपाठ हेतु निर्धारित निम्नलिखित गद्यकारो पर केन्द्रित दो लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जायेगें
निबंधकार – भरतेन्दु हरिशचन्द्र, प्रताप नारायण मिश्र , बालमुकुन्द गुप्त, सरदार पूर्ण सिंह
कहानीकार – अज्ञेय, यशपाल, फणीश्वरनाथ रेणु, भीष्म, साहनी , अमरकांत

स्फुट ग्रंथ –1 अमृतराय (कलम का सिपाही) 2. शिवप्रसाद सिंह (उत्तर योगी) 3. हरिवंशरय बच्चन (क्या भूलूं क्या याद करुं)4. राहुल सांकृत्यायन (घुमक्कड़ शास्त्र माखनलाल चतुर्वेदी (साहित्य देवता)

इकाई –5 वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से)

सेमीनार

C.C.E.

मौखिक

2019-21

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर
प्रश्न पत्र – तृतीय
हिन्दी
भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

पूर्णांक 60+40 =100

इकाई – 1

प्लेटो : काव्य – सिद्धांत
अरस्तू : अनुकरण – सिद्धांत, त्रासदी – विवेचन, विरेचन सिद्धांत
लोंजाइनस : उदात्त की अवधारणा

इकाई –2

ड्राइडन के काव्य सिद्धांत
वर्ड्सवर्थ : काव्य – भाषा का सिद्धांत
कालरिज : कल्पना – सिद्धांत और ललित – कल्पनां

इकाई –3

मैथ्यू आर्नल्ड : अलोचना का स्वरुप और प्रकार्य
टी.एस. इलियट : परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण संवेदनशीलता का असाहचर्य
आई.ए. रिच्डर्स: रागात्मक अर्थ। संवेगों का संतुलन व्यावहंरिक अलोचना ।

इकाई –4

सिद्धांत और वाद : अभिजात्यवाद ,स्वच्छंदतावाद अभिव्यंजनावद, मार्क्सवाद मनोविश्लेषण तथा अस्तित्ववाद।

इकाई – 5

आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियॉ : संरचनावाद, शैलीविज्ञान, विखण्डनवाद, उत्तर आधुनिकतावाद।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न
(सम्पूर्ण पाठ्यकम)

सेमीनार
C.C.E.
मौखिक

२०१७-२१।

एम.ए. प्रथम एव द्वितीय समेस्टर
प्रश्न पत्र – प्रथम
भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

अंक विभाजन

पूर्णांक 60+40 =100

1. अलोचनात्मक प्रश्न
2. लघुउत्तरीय प्रश्न
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न(सम्पूर्ण पाठ्यकम)

सेमीनार

C.C.E.

मौखिक

③

Class / कक्षा : एम.ए.

2019-21

Subject / विषय : हिन्दी

Semester / सेमेस्टर : द्वितीय

Title Subject Group / विषय समूह का शीर्षक : सूरदास

Paper No.& Title / प्रश्न पत्र कमांक एवं शीर्षक : चतुर्थ

Compulsory /अनिवार्य या Opitonal वैकल्पिक : **Optional/ वैकल्पिक**

सेमेस्टर चतुर्थ	
इकाई – 1	इकाई –1 व्याख्यांश– सूरसागर दशम स्कंध पूर्वार्द्ध (सम्पादक – नन्ददुलार वाजपेयी)
इकाई – 2	इकाई –2 भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठ भूमि एवं विविध काव्य धाराएँ
इकाई – 3	इकाई –3 कृष्णभक्ति काव्यधारा का परिचय एवं प्रवृत्तियों एवं अष्ठछाप के कवि
इकाई – 4	इकाई –4 सूर साहित्य की पृष्ठ भूमि जीवन एवं रचनाएँ
इकाई – 5	इकाई –5 चतुर्भुजदास नन्ददास रसखान, मीरा ।

सेमीनार

C.C.E.

मौखिक

2019-21

Class / कक्षा : एम.ए.
Subject / विषय : हिन्दी
Semester / सेमेस्टर : द्वितीय

Title Subject Group / विषय समूह का शीर्षक : कथाकार प्रेमचन्द
Paper No.& Title / प्रश्न पत्र कमांक एवं शीर्षक : चतुर्थ

Compulsory /अनिवार्य या Opitonal वैकल्पिक : **Optional/ वैकल्पिक**

सेमेस्टर चतुर्थ	
इकाई – 1	इकाई –1 व्याख्यांश गोदान रंगभूमि कर्मभूमि कहानी – ठाकुर का कुऑ – पंच परमेश्वर , मंत्र, कफन , ईदगाह, पूस की रात बड़े भाई साहब, नमक का दरोगा, कजाकी, सदागति।
इकाई – 2	इकाई –2 प्रेमचन्द्र एवं रचना यात्राः उपन्यास, कहानी, पत्रकारिता।
इकाई – 3	इकाई –3 प्रेमचन्द्र के पाठ्य उपन्यासों की समीक्षा।
इकाई – 4	इकाई –4 प्रेमचन्द्र के पाठ्य कहानियों की समीक्षा।
इकाई – 5	इकाई –5 दुतपाठ – जेनेन्द्र कुमार , यशपाल, भगवतीचरण वर्मा, अमृतलाल नागर।

सेमीनार

C.C.E.

मौखिक

2019-21

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर
प्रथन पत्र – प्रथम
हिन्दी साहित्य
आधुनिक हिन्दी काव्य और उसका इतिहास

पूर्णांक 60+40 =100

इकाई – 1 व्यख्यांश

1. मैथलीशरण गुप्त : सांकेत(नवम सर्ग)
2. जयशंकर प्रसाद : कामायनी (चिंता, श्रद्धा, एवं इडा सर्ग)
3. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला : निर्धारित संकलन –राग विराग (संपादक रामविलास शर्मा) में संकलित कविताऍं। राम की शक्ति पूजा, सरोज स्मृति एवं कुकरमुत्ता।

इकाई – 2 मैशलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद एवं निराला से संबंधित समीक्षात्मक प्रश्न (एक)

इकाई –3 आधुनिक हिन्दी काव्य (छायवाद तक) की प्रमुख प्रवृत्तियॉं, इतिहास और प्रमुख कवि

इकाई –4 लघुउत्तरीय प्रश्न :– दो

दुतपाठ से निर्धारति कवि जगन्नाथदास रत्नाकार अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध महादेवी वर्मा और बालकृष्ण शर्मा, नवीन से संबंध दो लघुउत्तरीय प्रश्न

इकाई –5 वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)

सेमीनार

C.C.E.

मौखिक

20|7-21

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर
विषय – हिन्दी साहित्य
प्रश्न पत्र – द्वितीय
भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

पूर्णांक 60+40 =100

इकाई –1 भाषा और विज्ञान – भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण भाषा– व्यवस्था और भाषा व्यवहार भाषा संरचना और भाषिक – प्रकार्य। भाषाविज्ञान : स्वरुप एवं व्याप्ति अध्ययन कीं दिशाऍं
वर्णात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।

इकाई –2 स्वप्न प्रकिया – स्वप्न विज्ञान का स्वरुप और शाखऍं वाग्यंत्र और उनके कार्य स्वन की अवधारणा और स्वनो का वर्गीकरण, स्वन – गुण स्वनिक – परिवर्तन । स्वनिक विज्ञान का स्वरुप , स्वनिम की आवधारणा , स्वनिम मे भेद स्वनिमिक – विश्लेण।

इकाई –3 व्याकरण – रुप विज्ञान का स्वरुप और शाखऍं, रुपिम् की अवधारणा और भेद मुक्त आबद्ध अर्थदर्शी और संबंधदर्शी, संबंधदर्शी भेद और प्रकार वाक्य की अवधारणा , अभिहितान्वयावाद और अन्विताभिधानवाद , वाक्य के भेद वाक्य विश्लेषण, निकटस्थ अवयंव विश्लेषण गहन– संरचना और बाह्य – संरचना।

इकाई –4 अर्थविज्ञान – अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ संबंध पर्यायता अनेकार्थता विलोमता, अर्थ प्राप्ति के साधन , अर्थ परिवर्तन।

इकाई –5 साहित्य और भाषाविज्ञान – साहित्य में अध्ययन में भाषाविज्ञान के अंगों की उपयोगिता।

प्रथम सेमेस्टर अंक विभाजन
2 अलोचनात्मक प्रश्न
5 लघुउत्तरीय प्रश्न
10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न
सेमीनार
C.C.E.
मौखिक

एम.ए. हिन्दी वैकल्पिक प्रश्न पत्र
हिन्दी साहित्य का इतिहास
तृतीय सेमेस्टर
प्रश्न पत्र तृतीय

2019-21

पूर्णांक 60+40 =100

पाठ्य विषय :–

अ

1. हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा आधारभूत सामग्री और साहित्योतिहास के पुनलेखन की समस्याएँ।
   हिन्दी साहित्य का इतिहास : आदिकाल की पृष्ठभूमि , सिद्ध और नाथ साहित्य रासोकाव्य जैन साहित्य
2. हिन्दी साहित्य के आदिकाल का ऐतिहासिक परिदृश्य, साहित्यक प्रवृत्तियॉ काव्यधाराएँ, गद्य साहित्य, प्रतिनिधि रचनाकार और इनकी रचनाएँ।

ब मध्यकाल

3. पूर्वमाध्यकाल भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि सांस्कृतिक चेतना एवं भक्तिअन्दोलन विभिन्न काव्य धाराएँ तथा उनका विश्लेशण, प्रमुख निगुर्ण सन्त कवि और उनका अवदान। भारत की सुफी मत का विकास तथा प्रमुखसूफी कवि और काव्य ग्रंथ, सूफी काव्य में भारतीय संस्कृति एवं लोक जीवन के तत्व।
   3. उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की ऐतिहासिक, पृष्ठभूमि, काल सीमा और नामकरण दरबारी संस्कृति और लक्षण ग्रंथो की परम्परा।
   4. रीतिकालीन साहित्य की विविध धाराऐ (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त) प्रवृत्तियॉ और विशेषताऐ प्रतिनिधि रचनाकार ओर रचनाएँ
   5. लघुउत्तरीय तथा वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम से पूछे जायेंगें

अंक विभजान

अलोचनात्मक प्रश्न –2 (खण्ड)
आलोचनात्मक प्रश्न –2 (खण्ड)
लघुउत्तरीय प्रश्न –2
वस्तुनिष्ठ प्रश्न सम्पूर्ण विषय से

सेमीनार
C.C.E.
मौखिक

2019-21

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर
प्रश्न पत्र चतुर्थ
हिन्दी साहित्य
प्रयोजनमूलक हिन्दी

पूर्णांक 60+40 =100

इकाई–1 कामकाजी हिन्दी –

1. हिन्दी के विभिन्न रुप – सर्जनात्मक भाषा संचार भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा मातृभाषा।
2. कार्यलयीन हिन्दी, राजभाषा के प्रमुख प्रकार्य :– प्रारुप, पत्र – लेखन संक्षेपण, पल्लव, टिप्पणी

इकाई–2 परिभाषिक शब्दावली – स्वरुप एवं महत्व, परिभाषिक शब्दावली के उदाहणार्थ एवं उनका व्यावहारिक प्रयोग।

इकाई –3 हिन्दी कम्प्यूटिंग –

1. कम्प्यूटर : परिचय, रुपरेखा ,उपयोग तथा बेव पब्लिशिंग का परिचय।
2. इन्टरनेट, संपर्क उपकरणो का परिचय, प्राथमिक, रख– रखाव एवं इंटरनेट समय मितव्ययिता के सूत्र
3. बेब पब्लिकेशन ।
4. इंटर एक्सरलाइट अथवा नेट स्केप
5. लिंग, ब्राउजिंग पोर्टल, ई.मेल भेजना/ प्राप्त करना हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोईट, डाउनलोडिंग एवं अपलोडिंग की सॉफ्टवेयर , पैकेट।

इकाई – 4
1. पत्रकारिता :– स्वरुप विभिन्न प्रकार।
2. हिन्दी पत्रकारिता का सक्षिप्त इतिहास।
3. समाचार – लेखन, कला।
4. संपादन के आधारभूत तत्व।
5. व्यावहारिक प्रूफ शोधन।

इकाई
1. पत्रकारिता : शीर्षक की संरचना, लीड इण्ट्रो एवं शीर्षक संपादन
2 संपादकीय लेखन
1 पृष्ठसज्जा
2 साक्षात्कार, पत्रकार वार्ता एवं प्रेस प्रबंधन
3 प्रमुख प्रेस कानून एवं आचार – संहिता

1. निबंधात्मक प्रश्न
2. लघुउत्तरीय प्रश्न
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न
सेमीनार
C.C.E.
मौखिक

2019-21

एम. ए. चतुर्थ समेस्टर
प्रश्न पत्र — प्रथम
हिन्दी साहित्य
आधुनिक हिन्दी काव्य और उसका इतिहास

पूर्णांक 60+40 =100

इकाई —1 व्याख्यांश

1. सुमित्रानंदन पंत — निर्धारित संकलन — रश्मिबंध में संकलित परिवर्तन, नौकाबिहार, एक तारा, मौन निमन्त्रण , आ धरती कितना देती है।
2. संच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' नदी के द्वीप, असाध्य वीणा, कलगी बाजरे की परती का गीत।
3. गजानंन माधव मुक्तिबोध ब्रहम राक्षस कन, मुझे कदम —कदम पर, लकडी का बना रावणं ।

इकाई —2 पंत अज्ञेय और मुक्तिबोध से संबंध समीक्षात्मक प्रश्न

इकाई —3 छायावादोत्तर काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियॉ, इतिहास और प्रमुख कवियों पर निबंधत्माक प्रश्न।

इकाई —4 लघुउत्तरीय प्रश्न

दुतपाठ में निर्धारित कवि हरिवंशराय बच्चन , भावनी प्रसाद मिश्र, श्री नरेश मेहता रघुवीर संबंध दो लघुउत्तरीय प्रश्न।

इकाई —5 वस्तुनिष्ठ प्रश्न (संपूर्ण पाठ्यक्रम में से)

सेमीनार

C.C.E.

मौखिक

2019-21

एम.ए. चतुर्थ समेस्टर
विषय – हिन्दी साहित्य
प्रश्न पत्र द्वितीय
भाषा विज्ञान एवं भाषा

पूर्णांक 60+40 =100

इकाई–1 हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : प्रचीन भारतीय आर्य भाषाऍं– वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताऍं । मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाऍं – पालि, पाकृत– शौरसैनी अर्द्धमागध मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताऍं। आधुनिक भारतीय आर्यभाषाऍं और उनका वर्गीकरण

इकाई–2 हिन्दी का भौगोलिक विस्तार : हिन्दी की उपभाषाऍं पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी , बिहारी तथा पहाडी और उनकी बोलियॉं। खडी बोली ब्रज और अवधी की विशेषताऍं।

इकाई –3 हिन्दी भाषिक स्वरुप : हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था – खड्येतर । हिन्दी शब्द रचना – उपसर्ग, प्रत्यय, समास। रुप रचना – लिंग, वचन और कारक –व्यवस्था के सन्दर्भ में हिन्दी के संज्ञा, सर्वनाम विश्लेशण और किया रुप रचना लिंग, वचन और कारक– व्यवस्था से संन्दर्भ में हिन्दीं के संज्ञा, सर्वनाम विशलेषण और किया रुप। हिन्दी वाक्य रचना: पद कम और अन्विति।

इकाई –4 हिन्दी के विविध रुप : संपर्क– भाषा राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रुप में हिन्दी माध्यम – भाषा संचार – भाषा, हिन्दी की सांविधानिक स्थिति।

इकाई –5 हिन्दी में कम्प्यूटर सुविधाऍं : ऑंकडा – संसाधन और शब्द संसाधन वर्तनी– शोधक मशीनी अनुवाद ,हिन्दी भाषा – शिक्षण।

देवनागरी लिपि विशेषताऍं और मानकीकरण

अंक विभाजन

2 आलोचनात्मक प्रश्न

5 लघुउत्तरीय प्रश्न

10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न

सेमीनार

C.C.E.

मौखिक

2019-21

एम.ए. हिन्दी वैकल्पिक प्रश्न पत्र
हिन्दी साहित्य का इतिहास
चतुर्थ सेमेस्टर
प्रश्न पत्र तृतीय

पूर्णांक 60+40 =100

आधुनिक काल :—

1. आधुनिक काल की सामाजिक , राजनितिक, आर्थिक एवं संस्कृतिक पृष्ठभूमि सन् 1857 ई का प्रथम स्वाधीनता संग्राम और पुनर्जागरण
   भारतेन्दु युग प्रमुख साहित्यकाल , रचनाऍ और साहित्यक विशेषताऍ
2. द्विवेदी युग : प्रमुख साहित्यकाल , रचनाऍ और साहित्यक विशेषताऍ। हिन्दी स्वच्छन्दतावादी चेतना का अग्रिम विकास, छायावादी काव्य, प्रमुख साहित्यकार रचनाऍ और साहित्य विशेषताऍ।
3. उत्तरछायावाद की विविध पवृत्तियॉ : प्रगतिवाद प्रयोग्वाद, नयी कविता। प्रमुख साहित्यकार रचना और साहित्यक रचना और साहित्यक विशेषताऍ। हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाऐ कहानी उपन्यास , नाटक निबन्ध आदि।
4. संस्मरण , रेखाचित्र ,जीवनी ,आत्मकथा का विकास। हिन्दी अलोचना का उद्भव एवं विकास।
   स्त्री विमर्श और दलित विमर्श का परिचय।

अंक विभाजन
प्रत्येक इकाई से एक आलोचनात्मक प्रश्न
लघुउत्तरीय प्रश्न
वस्तुनिष्ठ प्रश्न
सेमीनार
C.C.E.
मौखिक

2019-21

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर
प्रश्न पत्र – चतुर्थ
हिन्दी साहित्य
प्रयोजनमूलक हिन्दी

पूर्णांक 60+40 =100

इकाई –1 मीडिया लेखन
1. जनसंचार – प्रौधोगिक एवं चुनौतियॉ
2. विभिन्न जनसंचार माध्यमो का स्वरुप – मुद्रण श्रव्य, दृश्य–श्रृव्य इंटरनेट।
3. श्रृव्य माध्यम – रेडियो,
मौखिक भाषा की प्रकृति, समाचार लेखन एवं वाचन, रेडियो नाटक, उदघोषणा लेखन विज्ञापन लेखन, फीचर तथा रिपोर्ताज

इकाई –2
1. दृश्य श्रृव्य माध्यम (फिल्म, टेलीविजन, वीडियों,) दृश्य माध्यमो में भाषा की प्रकृति दृश्य श्रृव्य सामग्री का सामंजस्य पार्श्व वाचन, (वायस ओवर) पटकथा लेखन, टेलीड्रामा, डॉक्यू, ड्रामां, संवाद– लेखन साहित्य की विधाओं का दृश्य – माध्यमों का रुपान्तंरण विज्ञापन की भाषा।

2. इंटरनेट सामग्री सृजन –(

इकाई –3
1. आनुवाद का स्वरुप क्षेत्र, प्रकिया एवं प्रविधि।
2. हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका।
3. कार्यलयीन हिन्दी और अनुवाद ।
4. ज्नसंचार माध्यमों का अनुवाद
5. विज्ञापन में अनुवाद
6. **वैचारिक साहित्य का अनुवाद ।**

इकाई –4
1. वाणिज्यिक अनुवाद।
2. वैज्ञानिक ,तकनीकी तथा प्रौधोगिकी क्षेत्र में अनुवाद।
3. विधि – साहित्य की हिन्दी और अनुवाद।
4. व्यावहारिका अनुवाद अभ्यास।
5, कार्यालयीन अनुवाद :– कार्यालयीन एवं प्रशासनिक शब्दावली, प्रशासनिक, प्रयुक्तियॉ, पदनाम, विभाग आदि।
6. पत्रो के अनुवाद ।
7. पदनामों, अनुभागों, दस्तावेजो, प्रतिवेदनो के अनुवाद ।

इकाई –5
1. बैक साहित्य के अनुवाद का अभ्यास।
2. विधि साहित्य के अनुवाद का अभ्यास।
3. साहित्यक अनुवाद के सिद्धांत व्यवहार : कविता कहानी नाटक
4. सारानुवाद ।
5. दुभाषिया प्रविधि
6. अनुवाद पुनरीक्षण एवं मूल्यॉकप

सेमीनार

C.C.E.

मौखिक

2019-21

एम.ए. उत्तरार्द्ध हिन्दी
वैकल्पिक
प्रश्न पत्र – चतुर्थ
तृतीय सेमेस्टर
वैकल्पिक – व्यावसायिक वर्ग
अनुवाद विज्ञान

प्रश्न पत्र – प्रथम (वर्ग एक) अनुवाद विज्ञान :

इकाई –1	अनुवाद की परिभाषा, स्वरुप क्षेत्र और सीमाएँ।
इकाई –2	अनुवाद कला विज्ञान या शिल्प। अनुवाद की इकाई शब्द पदबन्ध, वाक्य पाठ।
इकाई –3	अनुबाद प्रकिया और प्रविधि : विशलेषण अन्तरण, पुनर्गठन। अनुवाद प्रक्रिया के विभिन्न चरण स्त्रोत भाषा के पाठ का विश्लेषण एवं उसके अर्थग्रहण की प्रक्रिया, स्त्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा की तुलना तथा अर्थान्तरण की प्रकिया , अनूदित पाठ का पुनर्गठन और अर्थ संम्प्रेषण की प्रक्रिया अनुवाद प्रकिया की प्रकृति।
इकाई –4	अनुवाद तथा समतुल्यता का सिद्धांत। अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार–कार्यलयीन, वैज्ञानिक एवं तकनीकी साहित्यक, मानविकी, संचार माध्यम, विज्ञापन आदि।
इकाई –5	अनुवाद की समस्याएँ : संचार माध्यम विज्ञापन आदि। समस्याएँ, कार्यलीन अनुवाद की समस्याएँ, वैज्ञानिक एवं तकनीकी सहित्य के अनुवाद की समस्याएँ । कोष एवं परिभाषिक शब्दावली के निर्माण की समस्याएँ। मीडिया क्षेत्र के अनुवाद की समस्याएँ। विज्ञापन के अनुंवाद की समस्याए।

लघुउत्तरीय प्रश्न
दो लघुउत्तरीय प्रश्न
वस्तुनिष्ठ प्रश्न

सेमीनार

C.C.E.

मौखिक

M.A. Hindi Semester IV wise Syllabus

2019-21

Class / कक्षा : एम.ए.
Subject / विषय : हिन्दी
Semester / सेमेस्टर : चतुर्थ
Title of Subject Group / विषय समूह शीर्षक : कोश विज्ञान
Paper No.& Title / प्रश्न पत्र एवं शीर्षक : चतुर्थ
Compulsory / अनिवार्य या Optional / वैकल्पिक : Opitonal/वैकल्पिक

सेमेस्टर चतुर्थ	
इकाई –1	इकाई – एक कोश परिभाषा और स्वरुप। कोश की उपयोगिता। कोश और व्याकरण की अतः संबंध। कोश के भेद – राजभाषी द्विभाषी और बहुभाषी कोश एककालिक और कालकमिक कोश : विषय कोश, परिभाषिक कोश व्युत्पत्तिकोश, सामांतर कोश अध्येताकोश, वि''वकोश, बोलीकोश।
इकाई –2	इकाई – दो, कोश– निर्माण की प्रकिया – समाग्री संकलन, प्रविष्टिकम, व्याकरणिक कोटि उच्चारण, व्युत्पित्ति अर्थ (पर्याय, व्याख्या, चित्र) प्रयोग, उप– प्रविष्टयॉ संक्षिप्तियॉ सन्दर्भ और प्रतिसंदर्भ। प्रविष्टि संरचना ,रुपिम शब्द और शब्दिम सरल, व्युत्पन्न और सामासिक शब्दिम, सामासिक शब्दिम सरंल, व्युत्पन्न और सहप्रयोग व्युत्पादक समारा, सहप्रयोग और संदर्भ।
इकाई –3	इकाई – तीन रुप अर्थ संबंध : अनेकर्थता : समानार्थकता, समनाता समध्यवन्यात्मकता विलोमता। कोश – निर्माण की समस्याएँ : राजभाषी, द्विभाषी और बहुभाषी कोशो के संदर्भ,में अलिखित भाषाओं का कोश निर्मण।
इकाई –4	इकाई– चार कोश विज्ञान और अन्य विषयों का संबंध : कोशविज्ञान और स्वनविज्ञान व्याकरंण व्युत्पत्तिशास्त्र और अर्थविज्ञान का संबंध। पाश्चात्य : कोश परंपरा भारतीय कोश परंपरा तथा हिन्दी कोश साहित्य का इतिहास। हिन्दी के प्रमुख कोश और कोशकार।
इकाई –5	इकाई – पॅच स्वचालित सामग्री संसाधन, कम्प्यूटर और कोश निर्माण कोश विज्ञान या कला।